This question paper contains 7 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7031**

Unique Paper Code : **227302** **D**

Name of the Paper : **Intermediate Macroeconomics-I**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *two* parts from each question.

Each part carries **7.5** marks.

All the notations have their standard interpretation.

प्रत्येक प्रश्न से किन्हीं **दो** भागों के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न के **7.5** अंक हैं।

सभी प्रतीकों के मानक प्रचलित अर्थ हैं।

1. (*a*) Explain using AS-AD model how the output eventually returns to the natural level in the medium-run, in response to a contractionary monetary policy.

P.T.O.

(*b*) Out of the following expansionary fiscal policies, viz, an income tax cut, increase in government spending, and an increase in investment subsidy, which do you think is the best for increasing output and why ?

(*c*) (*i*) What are Wage-setting and Price-setting relations ? How is the equilibrium rate of unemployment determined in the labour market ?

(*ii*) In price-setting relation, what is the value of mark-up and real wage when perfect competition exists ? 5+2.5

(अ) AS-AD मॉडल की सहायता से समझाइये कि किस प्रकार संकुचनकारी मौद्रिक नीति के परिणामस्वरूप उत्पाद मध्यम काल में अन्ततः वापस अपने प्राकृतिक स्तर को प्राप्त करता है।

(ब) निम्नलिखित राजकोषीय नीतियों पर विचार कीजिये :

आयकर में कटौती, सरकारी व्यय में वृद्धि, निवेश अनुदान में वृद्धि। आपके विचार में इनमें से कौनसी नीति उत्पादन को बढ़ाने हेतु सबसे अच्छी है, व क्यों ?

(स) (*i*) मजदूरी-निर्धारण व कीमत-निर्धारण सम्बन्ध क्या हैं ? श्रम बाजार में बेरोजगारी की सन्तुलन दर किस प्रकार निर्धारित होती है ?

(*ii*) पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में कीमत निर्धारण सम्बन्ध में मार्क-अप व वास्तविक मजदूरी के क्या मान होते हैं ?

2. (*a*) (*i*) Prove that wage indexation increases the effect of unemployment on inflation.

(*ii*) Suppose $\mu = 0.03$ and $z = 0.03$, what is the natural rate of unemployment, if $\alpha = 1$? (The notation used is standard) 5+2.5

(*b*) Suppose $\pi = 18\%$; Okun's law : $u_1 - u_{t-1} = -0.5\ (g_{yt} - 3\%)$

Phillip's Curve : $\pi_1 = \pi_{t-1} - (u_t - 6\%)$

Assume in year 0, the economy is in medium-run equilibrium. The central bank now decides to reduce the inflation rate to 9% by reducing it at the rate of 3% every year beginning from year 1. Given this information, construct a table for the values of inflation rate (%), unemployment rate (%), output growth (%), real money growth (%) and nominal money growth (%) in different years. (The notation used is standard)

(*c*) Show that Adaptive Expectation hypothesis "allows us to relate expected, *unobservable* variables to actual, *observable* variables".

(अ) (*i*) सिद्ध कीजिये कि मजदूरी का सूचकांकन स्फीति पर बेरोजगारी के प्रभाव को बढ़ा देता है।

(*ii*) मान लीजिये $\mu = 0.03$ तथा $z = 0.03$, तो बेरोजगारी की प्राकृतिक दर क्या है, यदि $\alpha = 1$? (प्रतीकों के मानक अर्थ हैं।)

(ब) मान लीजिये $\pi = 18\%$; ओकन का नियम : $u_1 - u_{t-1} = -0.5\ (g_{yt} - 3\%)$

फिलिप्स वक्र : $\pi_1 = \pi_{t-1} - (u_t - 6\%)$

मान लीजिये कि वर्ष 0 में अर्थव्यवस्था अपने मध्यमकालीन सन्तुलन में है। अब केन्द्रीय बैंक स्फीति दर को वर्ष 1 से प्रारम्भ करके प्रतिवर्ष 3% कम करके 9% तक कम करने का निर्णय करता है। इस सूचना के आधार पर विभिन्न वर्षों में स्फीति दर (%),

बेरोजगारी की दर (%), उत्पादन की वृद्धि दर (%), वास्तविक मुद्रा आपूर्ति की वृद्धि दर (%) तथा मौद्रिक मुद्रा आपूर्ति की वृद्धि दर (%) के मानों की एक सारणी बनाइये। (प्रतीकों के मानक अर्थ हैं।)

(स) दर्शाइये कि अनुकूलनशील प्रत्याशा परिकल्पना हमें "प्रत्याशित **अप्रेक्षणीय** चरों को वास्तविक **प्रेक्षणीय** चरों से सम्बद्ध करने देती है"।

3. (*a*) What do you understand by stagflation ? Show how a sudden and a significant increase in the mark-up over cost can lead to stagflation in an economy. (2+5.5)

(*b*) What is the nature of controversy between Lucas and Sargent and the traditional approach regarding disinflation ? How has the traditional approach been supported by Taylor and Fischer ?

(*c*) Explain why the trade-off between inflation and unemployment, as suggested by A. W. Phillips, does not hold in the medium-run.

(अ) स्टैग्फ्लेशन से आप क्या समझते हैं ? दर्शाइये कि लागत के ऊपर मार्क-अप में होने वाली अचानक व पर्याप्त वृद्धि के कारण किस प्रकार अर्थव्यवस्था में स्टैग्फ्लेशन की स्थिति आ सकती है ?

(ब) विस्फीति के बारे में ल्यूकैस व सार्जेण्ट के दृष्टिकोण तथा परम्परागत दृष्टिकोण के बीच विवाद की क्या प्रकृति है ? टेलर तथा फिशर ने किस प्रकार परम्परागत दृष्टिकोण का समर्थन किया है ?

(स) समझाइये कि स्फीति व बेरोजगारी के बीच ए.डब्ल्यू. फिलिप्स द्वारा सुझाया गया समझौताकारी तालमेल मध्यम काल में लागू क्यों नहीं होता है ?

4. (*a*) "A nation loses control over money supply under fixed exchange rate regime with perfect capital mobility (and constant prices), thus making monetary policy completely ineffective in changing output. However, fiscal policy is fully effective in such case." Do you agree ? Explain.

(*b*) What is the difference between expenditure-switching and expenditure-reducing policies under fixed exchange rate system ? Also give one reason why devaluation may not lead to an improvement in the trade balance. 6+1.5

(*c*) (*i*) Using demand and supply curves of foreign exchange, explain how the equilibrium exchange rate is determined in the foreign exchange market.

(*ii*) How can you explain the depreciation of Indian rupee vis-a-vis U.S. dollar from Rs. 59/$ to Rs. 68/$ during July-August 2013 and its slight recovery to Rs. 61/ $ thereafter using the above ? 5+2.5

(अ) "पूँजी की पूर्ण गतिशीलता व स्थिर विनिमय दर प्रणाली (व स्थिर कीमत स्तर) के अन्तर्गत राष्ट्र अपनी मुद्रा की आपूर्ति पर नियन्त्रण खो देता है जिसके परिणामस्वरूप मौद्रिक नीति उत्पादन को परिवर्तित करने में अप्रभावी हो जाती है। परन्तु ऐसी स्थिति में राजकोषीय नीति पूर्णत: प्रभावी होती है।" क्या आप सहमत हैं ? समझाइये।

(ब) स्थिर विनिमय दर प्रणाली के अन्तर्गत व्यय-परिवर्तनकारी व व्यय-ह्रासकारी नीतियों के बीच क्या अन्तर है ? अवमूल्यन के कारण व्यापार घाटे में सुधार न हो, इसका एक कारण भी दीजिये।

P.T.O.

(स) (*i*) विदेशी मुद्रा के माँग व आपूर्ति वक्रों की सहायता से समझाइये कि विदेशी मुद्रा बाजार में सन्तुलन विनिमय दर किस प्रकार निर्धारित होती है ?

(*ii*) उपर्युक्त की सहायता से आप डॉलर की कीमत में रुपये के सापेक्ष जुलाई-अगस्त 2013 में हुई 59 रुपये प्रति डॉलर से 68 रुपये प्रति डॉलर तक की वृद्धि व उसके बाद 61 रुपये डॉलर तक की गिरावट को किस प्रकार समझा सकते हैं ?

5. (*a*) How does domestic money supply vis-a-vis the foreign money supply determine the exchange rate in 'monetary approach to exchange the determination' ? How does a Balance of Payment deficit arise according to the Monetary Approach under a fixed exchange rate regime ? 5+2.5

(*b*) What is meant by a managed floating exchange rate system ? How does the policy of leaning against the wind operate ? 4+3.5

(*c*) Briefly explain how foreign exchange risk leads to need/opportunity for hedging and speculation. Find the Covered Interest Arbitrage Margin when the annual rate of interest in the U.S. is 8 percent and 6 percent in India. The spot rate is Re. 1/$ and the one-year forward rate is Re. 0.96/$ (India : home country; U.S.: foreign country) 5+2.5

(अ) विनिमय दर निर्धारण के मौद्रिक दृष्टिकोण में विदेशी मुद्रा आपूर्ति के सापेक्ष घरेलू आपूर्ति किस प्रकार विनिमय दर को निर्धारित करती है ? स्थिर विनिमय दर प्रणाली के अन्तर्गत मौद्रिक दृष्टिकोण के अनुसार भुगतान संतुलन में घाटा किस प्रकार उत्पन्न होता है ?

(ब) प्रबन्धित लचीली विनिमय दर प्रणाली क्या है ? पवन के विपरीत झुकने की नीति किस प्रकार कार्य करती है ?

(स) संक्षेप में समझाइये कि किस प्रकार विदेशी विनिमय जोखिम के कारण प्रतिरक्षा व सट्टेबाजी की आवश्यकता/अवसर उत्पन्न होते हैं। यदि अमेरिका में वार्षिक ब्याज दर 8 प्रतिशत, भारत में 6 प्रतिशत, तत्काल विनिमय दर 1 रुपये प्रति डॉलर तथा 1 वर्ष की वायदा विनिमय दर रुपये 0.96 प्रति डॉलर हो, तो आच्छादित ब्याज अन्तरपणन अल्पांश की गणना कीजिये। (गृह देश : भारत, विदेश : अमेरिका)